

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 0, परिचय

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 0 है, 1 और 2 सैमुअल का परिचय।

इससे पहले कि हम पहले और दूसरे सैमुअल की पुस्तकों का अध्याय-दर-अध्याय अध्ययन शुरू करें, हमें खुद को पुस्तक की ओर उन्मुख करने की आवश्यकता है ताकि हम जान सकें कि क्या उम्मीद करनी है, थोड़ा अवलोकन करें और पुस्तक की पृष्ठभूमि के बारे में बात करें।

जब आप अपनी अंग्रेजी बाइबिल खोलते हैं, तो आपको तथाकथित ऐतिहासिक किताबों में सैमुअल की किताबें मिलती हैं। हमारे पास पेंटाटेच है, और फिर ऐतिहासिक पुस्तकें हैं, यहोशू, न्यायाधीश, रूथ, पहला और दूसरा शमूएल, पहला और दूसरा राजा, पहला और दूसरा इतिहास, एज्रा, नहेमायाह और एस्तेर। सैमुअल की पुस्तकें उस इतिहास के ठीक बीच में रखी हुई हैं।

हिब्रू बाइबिल में किताबों की व्यवस्था अलग है। हिब्रू बाइबिल, जिसे कभी-कभी तनाख भी कहा जाता है, में तीन खंड हैं। टोरा, जो पेंटाटेच होगा, और फिर तनाख में एन का मतलब नेवी'इम, भविष्यवक्ताओं के लिए है।

तनाख में K का अर्थ केतुविम या लेखन है। तो, पुराने नियम की सभी पुस्तकें उन तीन खंडों में से एक में रखी गई हैं। पैगम्बरों को पूर्व और बाद के पैगम्बरों में विभाजित किया गया है।

पूर्व भविष्यवक्ताओं में यहोशू, न्यायाधीश, रूथ, सैमुअल और राजा नहीं थे। अन्य तथाकथित ऐतिहासिक पुस्तकें, रूथ, क्रोनिकल्स, एज्रा, नहेमायाह और एस्तेर केतुविम में हैं। वे लेखन में हैं।

इसलिए, हिब्रू बाइबिल में पुस्तकों की व्यवस्था थोड़ी अलग है। पूर्व पैगम्बरों का खंड, जो जोशुआ के अधीन भूमि में प्रवेश से लेकर 586 ईसा पूर्व में बेबीलोन में निर्वासन तक इज़राइल के इतिहास को बताता है, राजाओं के माध्यम से जोशुआ में शामिल है। यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि वहां एक धर्मशास्त्र विकसित हो रहा है।

वास्तव में, विद्वान कभी-कभी इसे ड्यूटेरोनोमिक इतिहास भी कहते हैं। मैं इसे व्यवस्थाविवरण इतिहास कहता हूँ क्योंकि बताया गया इतिहास व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के धर्मशास्त्र को दर्शाता है। तो यहीं सैमुअल है, पूर्व पैगम्बरों में, या अंग्रेजी बाइबिल में, ऐतिहासिक पुस्तकों में।

सैमुअल में घटनाएँ कब घटित हुईं? खैर, हम असीरियन अभिलेखों को देखकर पुराने नियम के इतिहास के लिए एक निश्चित तारीख निर्धारित करने में सक्षम हैं, जिसमें सूर्य ग्रहण का उल्लेख है। वैज्ञानिक यह निर्धारित कर सकते हैं कि ये सूर्य ग्रहण कब घटित हुए। अब कभी-कभी आपके पास तीन या चार विकल्प होते हैं जिनके साथ आपको काम करना होता है, लेकिन विद्वान यह

इंगित करने में सक्षम हैं कि पुराने नियम के इतिहास के साथ सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से असीरियन रिकॉर्ड में कौन सा सूर्य ग्रहण महत्वपूर्ण है।

जब हम यह सारा काम असीरियन अभिलेखों में करते हैं और फिर असीरियन सामग्री को पुराने नियम में हमारे पास मौजूद सामग्री के साथ जोड़ते हैं, तो हम ऐसा कर सकते हैं क्योंकि असीरियन अभिलेखों में इसराइल के कुछ राजाओं, अहाब और येहू का उल्लेख किया गया है, हम हैं यह निर्धारित करने में सक्षम है कि सुलैमान ने अपना शासनकाल 970 ईसा पूर्व में शुरू किया था। हम जानते हैं कि डेविड ने 40 वर्षों तक शासन किया, इसलिए डेविड का शासनकाल 1010 ईसा पूर्व में शुरू हुआ। नए नियम के अनुच्छेद के आधार पर, हम यह निर्धारित करने में सक्षम हैं कि शाऊल का शासनकाल 40 वर्षों का था, और इसलिए शाऊल ने अपना शासन लगभग 1050 ईसा पूर्व शुरू किया।

बेशक, सैमुअल की किताबों में, हम उससे पहले शुरू करते हैं। सैमुअल के पहले अध्यायों में, अभी भी कोई राजा नहीं है, और हम न्यायाधीशों के काल में हैं। इसलिए, हम निश्चित नहीं हैं कि यह कितने वर्षों तक चलेगा, लेकिन यह 1050 से पहले की बात है, और फिर कहानी 970 में सुलैमान के राजा बनने से ठीक पहले डेविड के करियर के अंत में समाप्त होती है।

तो, हम सैमुअल की किताबों में लगभग सौ साल की अवधि को कवर कर रहे हैं। 1 और 2 सैमुअल इज़राइल के इतिहास के बाइबिल विवरण के मूल में हैं। यदि आपको याद हो, तो न्यायाधीशों की पुस्तक अपने उपसंहार में इस टिप्पणी के साथ समाप्त होती है कि इज़राइल में हालात खराब थे।

हर एक व्यक्ति वही कर रहा था जो उसकी दृष्टि में सही था क्योंकि इस्राएल का कोई राजा नहीं था। तो यह भावना है कि यदि इज़राइल में सिर्फ एक राजा होता, तो चीजें बेहतर होतीं, लेकिन कोई भी राजा ऐसा नहीं करेगा। मुझे लगता है कि न्यायाधीश व्यवस्थाविवरण 17 में वर्णित आदर्श राजा के बारे में बात कर रहे हैं, जो आध्यात्मिक रूप से लोगों का नेतृत्व करने के साथ-साथ एक राजा के रूप में भी काम करेगा।

इसलिए, न्यायाधीश इस आशा, इस अपेक्षा के साथ समाप्त होते हैं, कि इज़राइल के पास एक राजा होगा, एक आदर्श राजा जैसा कि व्यवस्थाविवरण में वर्णित है। अब याद रखें, रूथ की पुस्तक पूर्व भविष्यवक्ताओं में नहीं है, और यदि अंग्रेजी बाइबिल में, रूथ की पुस्तक डेविड की वंशावली के बारे में बात करती है, और इसलिए यह आपको सैमुअल की कहानी में डेविड के प्रवेश के लिए तैयार करती है। लेकिन हिब्रू बाइबिल में, रूथ नहीं है, इसलिए आप सीधे न्यायाधीशों से सैमुअल तक जाते हैं।

और निःसंदेह, शमूएल में, समस्या स्पष्ट रूप से ठीक हो गई है क्योंकि प्रभु इस्राएल को एक राजा देता है। लेकिन हमें तुरंत पता चला कि कोई भी राजा ऐसा नहीं करेगा, क्योंकि शाऊल वास्तव में बद से बदतर होता जा रहा है, और वह राजा के रूप में असफल है। और अंततः, प्रभु दाऊद को, अपने मन के अनुकूल व्यक्ति को, अपने साथ ले आता है।

ऐसा प्रतीत होता है कि डेविड के राजा बनने के बाद चीजें अच्छी हो रही हैं, लेकिन डेविड भी एक राजा के रूप में विफल हो जाता है, और उसकी कहानी कई मायनों में एक त्रासदी के रूप में समाप्त होती है। लेकिन रास्ते में, प्रभु ने 2 शमूएल 7 में दाऊद के साथ एक अपरिवर्तनीय वाचा बनाई जो उसे उसके महान पाप के बावजूद संभाले रखती है। लेकिन जैसे ही 2 शमूएल समाप्त होता है, हम आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकते हैं, यह जानते हुए कि प्रभु ने खुद को डेविड और उसके वंश के प्रति समर्पित कर दिया है।

लेकिन साथ ही, हम समझते हैं कि मनुष्य बहुत ही दोषपूर्ण हैं, और इसलिए हमें आश्चर्य है कि इज़राइल के इतिहास में क्या होगा। और निश्चित रूप से, किंग्स में, हम पाते हैं कि इज़राइल तब तक नीचे गिरता जाता है जब तक कि अंततः उत्तरी राज्य, वास्तव में, राज्य विभाजित नहीं हो जाता। उत्तरी जनजातियाँ अपने-अपने रास्ते चली जाती हैं, और यहूदा अलग-थलग पड़ जाता है, और अंततः उत्तरी राज्य निर्वासन में चला जाता है, और फिर अंततः यहूदा भी 586 ईसा पूर्व में निर्वासन में चला जाता है।

1 और 2 सैमुअल के पत्रों पर तीन प्रमुख पात्र हावी हैं। शमूएल भविष्यवक्ता, शाऊल इस्राएल का पहला राजा, और फिर दाऊद जो शाऊल का स्थान लिया। उनके करियर ओवरलैप होते हैं।

1 शमूएल 1-16 में शमूएल बहुत प्रमुख है। शाऊल 1 शमूएल 9 में दृश्य में आता है। उस समय उसका औपचारिक रूप से परिचय कराया जाता है, और निस्संदेह, वह 1 शमूएल की पुस्तक के माध्यम से इतिहास में एक प्रमुख व्यक्ति है। 1 शमूएल 31 में पुस्तक के अंत में शाऊल की मृत्यु हो जाती है।

डेविड का परिचय 1 शमूएल 16 में दिया गया है। उसे औपचारिक रूप से 1 शमूएल 17 में पेश किया गया है। और निस्संदेह, 2 शमूएल अध्याय 24 के अंत तक डेविड ही केंद्र बिंदु है।

डेविड वस्तुतः और ऐतिहासिक रूप से केंद्र बिंदु है। अन्य दो पात्र, सैमुअल और शाऊल, मुख्य रूप से डेविड के संबंध में कार्य करते हैं। प्रभु के चुने हुए भविष्यवक्ता के रूप में, शमूएल ही वह है जो पहले शाऊल और फिर दाऊद का राजा के रूप में अभिषेक करता है।

वह मानो प्रभु के अधिकार के अधीन राजा-निर्माता है। शाऊल वह राजा है जिसे इस्राएल चाहता था। उसके नाम, शॉल, का अर्थ है माँगा हुआ।

वह वही है जिसकी उन्होंने माँग की थी और शायद वे इसके योग्य भी थे। लेकिन अंत में, वह मात्र एक विषमता बन जाता है, एक ऐसा चरित्र जो डेविड के विपरीत कार्य करता है, जो अपने चरम पर, कम से कम, वह राजा था जिसकी इज़राइल को आवश्यकता थी। जब हम सैमुअल की पुस्तकों को पढ़ते हैं तो यह भी स्पष्ट होता है कि 1 और 2 सैमुअल का वर्णनकर्ता शाऊल पर डेविड की श्रेष्ठता प्रदर्शित करना चाहता है।

एक ऐसी भावना है जिसमें हमारे यहां डेविड के लिए माफ़ी है, डेविड का बचाव है, अपने कार्यों के लिए माफ़ी नहीं है जैसा कि हम अक्सर इस शब्द का उपयोग करते हैं, लेकिन एक बचाव है,

बाइबिल के माफीनामे की तरह जहां हम आलोचकों के हमलों के खिलाफ बाइबिल का बचाव करते हैं। यह डेविड के लिए माफ़ी है। यह दाऊद के राजत्व की रक्षा है।

यह उसकी साख स्थापित करता है और दर्शाता है कि वह वास्तव में भगवान का चुना हुआ व्यक्ति है। कहानी पढ़ने से, हम जानते हैं कि इज़राइल के इतिहास में, कम से कम शुरुआत में, हर कोई इससे सहमत नहीं था। डेविड का विरोध हुआ।

इसलिए, यह इतिहास दर्शाता है कि दाऊद वास्तव में प्रभु द्वारा चुना गया व्यक्ति है। यह डेविड को उन आरोपों से बचाता है कि उसने किसी तरह शाऊल के खिलाफ तख्तापलट किया और शाऊल की मौत के लिए जिम्मेदार था। यह बिलकुल सच नहीं है।

दाऊद शाऊल का एक वफादार विषय था। इसलिए, अध्याय-दर-अध्याय में, वर्णनकर्ता शाऊल पर दाऊद की श्रेष्ठता स्थापित करने जा रहा है। तब आप आश्चर्यचकित हो सकते हैं, जब 2 शमूएल अध्याय 11 में दाऊद ने ऊरिय्याह के विरुद्ध यह भयानक पाप किया तो दाऊद का बचाव कैसे काम करता है? वह बतशेबा के साथ व्यभिचार करता है और फिर ऊरिय्याह की हत्या कर देता है।

यह डेविड के बचाव जैसा नहीं लगता। खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि आप सोचेंगे कि उन पापों से दाऊद का शासन और उसका वंश समाप्त हो जाएगा। वे बहुत गंभीर हैं।

लेकिन दाऊद के पास वह वाचा है, 2 शमूएल 7. प्रभु ने इससे पहले स्वयं को दाऊद के प्रति समर्पित कर दिया था और वह वाचा दाऊद का समर्थन करती है और प्रभु दाऊद को बहुत कठोरता से अनुशासित करता है, लेकिन फिर भी उसने शाऊल की तरह दाऊद को नहीं छोड़ा। इसलिए ऊरिय्याह के विरुद्ध पाप के बाद दाऊद की दुखद मृत्यु की कहानी भी इस्राएल के असली राजा के रूप में दाऊद के बचाव में फिट बैठती है। यदि हम पुस्तक की संरचना के बारे में बात करना चाहते हैं, और इसकी रूपरेखा के संदर्भ में इसे एक साथ कैसे रखा गया है, तो शायद सबसे आसान तरीका इसे तीन मुख्य पात्रों के अनुसार तीन भागों में विभाजित करना है।

1 शमूएल 1-8 में सैमुअल केंद्र बिंदु है, अध्याय 9-31 में शाऊल, और फिर 2 सैमुअल में डेविड। लेकिन यह सरल है क्योंकि पात्र ओवरलैप होते हैं। और जैसा कि मैंने पहले कहा, डेविड वास्तव में पुस्तक का प्राथमिक फोकस है।

इसलिए, मैं पुस्तक को उसके बड़े आकार के आधार पर इस प्रकार विभाजित करता हूँ, जिसे हम मैक्रोस्ट्रक्चर कहते हैं। और यह राजत्व के विषय के इर्द-गिर्द घूमता है। सैमुअल की किताबें राजत्व के बारे में हैं।

न्यायाधीश एक राजा की प्रतीक्षा कर रहे थे और सैमुअल इस बारे में बात कर रहे थे कि इस्राएल में राजत्व कैसे शुरू होता है। और इसलिए, 1 शमूएल, 1 शमूएल 1-7 के पहले सात अध्यायों को हम राजत्व की प्रस्तावना कह सकते हैं। प्रभु ने शमूएल को खड़ा किया जो इस्राएल के पहले दो राजाओं का अभिषेक करने जा रहा था।

और फिर राजत्व का उद्घाटन होता है। 1 शमूएल 8-12 में शाऊल इस्राएल का राजा बन गया। और तब राजत्व विफल हो जाता है।

1 शमूएल 13-15 में शाऊल ने अपना राजवंश और फिर अपना सिंहासन गँवा दिया। तब राजसत्ता अधर में लटक जाती है। यद्यपि शाऊल को राजा के रूप में अस्वीकार कर दिया गया है, फिर भी वह इस्राएल पर शासन करना जारी रखता है।

डेविड को राजा के रूप में चुना गया है, लेकिन वह तुरंत सिंहासन नहीं लेता है। और इसलिए राजत्व अधर में है। पहले राजा को अस्वीकार कर दिया गया है, अगले राजा को चुन लिया गया है, लेकिन हम इस बीच की अवधि में हैं।

प्रभु एक नये राजा, दाऊद को चुनते हैं और उसकी रक्षा करते हैं, 1 शमूएल 16-31। और तब राजसत्ता पुनर्जीवित हो जाती है। शाऊल युद्ध में मारा गया और प्रभु ने 2 शमूएल अध्याय 1-10 में दाऊद के सिंहासन और दाऊद के राजवंश की स्थापना की।

और फिर राजसत्ता कायम रहती है। प्रभु दाऊद को उसके पापों के लिए दंडित करते हैं लेकिन 2 शमूएल 11-20 में उसे राजा के रूप में सुरक्षित रखते हैं। सैमुअल की पुस्तकों में एक उपसंहार है, जो डेविड के शासनकाल का एक सूक्ष्म रूप है, और वह 2 सैमुअल 21-24 में है।

वे अध्याय सख्त कालानुक्रमिक क्रम में नहीं हैं। यह ऐसा है मानो कहानी को 2 सैमुअल 20 के अंत में रोक दिया गया है। फिर हमारे पास यह उपसंहार है और जब हम वहां पहुंचेंगे और इसका अध्ययन करेंगे, तो आप देखेंगे कि कुछ मायनों में यह डेविड के शासनकाल का एक सूक्ष्म रूप है।

और फिर कहानी 1 किंग्स 1 में फिर से शुरू होती है, जहां हम इस तथ्य के बारे में पढ़ते हैं कि डेविड सुलैमान को अपना उत्तराधिकारी चुनता है और फिर डेविड की मृत्यु हो जाती है। तो यह इस बात का एक सिंहावलोकन है कि हम इस अध्ययन में कहाँ जा रहे हैं। और अपने अगले पाठ में, हम 1 सैमुअल अध्याय 1 से शुरुआत करेंगे। यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 0 है, 1 और 2 सैमुअल का परिचय।